किसानों को अपना झूठ बताने उतरे मोदी के मंत्री

खेती विरोधी तीन अध्यादेशों के खिलाफ आंदोलन और तेज हुआ

हिसार में सरकार समर्थक किसान

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: किसानों की बर्बादी के लिए लाए गए तीन केंद्रीय अध्यादेशों के खिलाफ जब किसानों ने आंदोलन शुरू किया तो केंद्र सरकार ने अपने मंत्रियों की ड्यूटी तीनों अध्यादेश को सही ठहराने के लिए लगा दी है। केंद्रीय मंत्रियों से कहा गया है कि वे अपने-अपने इलाकों में किसानों को इस मामले में जागरूक करने की मुहिम शुरू करें। इस सिलसिले में केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गूर्जर ने 16 सितंबर 2020 को डीआईपीआरओ फरीदाबाद के जरिए जो बयान जारी किया, उसी से सरकार के झूठ का पर्दाफाश हो गया।

केंद्र सरकार का एक आदेश "एक मंडी एक देश" को लेकर है। इसके तहत किसान मंडी के बाहर कहीं भी अपनी फसल बेचने को स्वतंत्र होंगे। किसान इस अध्यादेश का सबसे ज्यादा विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे मंडी व्यवस्था खत्म हो जाएगी। बड़ी कंपनियां उनकी फसल खरीदकर बाजार में मनमाने रेट पर बेचेंगी। उन्हें एमएसपी भी नहीं मिलेगा। इसके जरिए धीरे-धीरे ऐसी व्यवस्था आ जाएगी कि बड़ी कंपनियां उनके रेट तय करेंगी, वे अपने ही खेतों पर मजदूर बनकर रह जाएंगे। अब केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गूर्जर ने अपने बयान के जरिए इस अध्यादेश के तथ्यों का खंडन करना चाहा लेकिन वो बात भी कह दी, जिसे किसान भी कह रहे हैं। मंत्री के बयान में भी कहा गया कि किसान अपनी फसल कहीं भी जाकर बेच सकते हैं। किसान इसी कॉन्ट्रैक्ट फॉर्मिंग के विरोध में उतरे हैं तो मंत्री वही बात दोबारा क्यों कह रहे हैं, जिसका अध्यादेश केंद्र सरकार कर चुकी है।

हिसार से भी किसान आंदोलन को कमजोर करने की कोशिशें जारी हैं। यहां जिला प्रशासन ने कुछ फर्जी किसानों को ट्रैक्टर पर बैठाया और उनसे तीनों अध्यादेशों के समर्थन में नारे लगवाए। इतना ही उनके ट्रैक्टरों पर अध्यादेश के समर्थन में नारे भी लिखवाए गए। समझा जाता है कि राज्य में भाजपा की सहयोगी जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) इस मुद्दे को 15 सितंबर 2020 को उठा सकती है, क्योंकि उस दिन जेजेपी ने चौधरी देवीलाल का जन्मदिन मनाने की घोषणा की है। चूंकि देवीलाल किसानों के जरिए ही सत्ता में आए थे तो जेजेपी इस मामले को अपने कार्यक्रमों में उठा सकती है।

हरियाणा और पंजाब के किसान बड़े काश्तकार हैं। वे अपनी फसल का ज्यादा पैसा मंडी में पाते हैं। अगर वही काम बड़ी कंपनियों के पास चला जाएगा कि हरियाणा-पंजाब के बड़े काश्तकार फिर क्या करेंगे। उनकी स्थिति भी मजदूरों जैसी होगी। इसीलिए हरियाणा और पंजाब में सबसे ज्यादा इस अध्यादेश का विरोध हो रहा है। पंजाब में तो किसान नहर की पटरियों पर बैठ गए हैं। उनका कहना है कि जब तक सरकार तीनों अध्यादेश वापस नहीं लेती है तब तक वे पीछे नहीं हटेंगे। पंजाब में चूंकि कांग्रेस सरकार है, इसलिए पुलिस किसानों को कुछ नहीं कह रही है लेकिन हरियाणा में किसानों के आंदोलन को पुलिस के जरिए कुचलने की कोशिश की गई। हरियाणा में भाजपा की सरकार है। इस बीच हरियाणा के किसान नेताओं को कुरुक्षेत्र में हिरासत में लिए जाने की भी सूचनाएं आ रही हैं। हरियाणा सरकार ने एक तरफ तो इनसे बातचीत का ड्रामा किया था लेकिन जब किसान नेता नहीं झुके तो उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

हरियाणा सरकार आई दबाव में

किसानों के आंदोलन को सोशल मीडिया पर मिले समर्थन के बाद से हरियाणा सरकार दबाव में आ गई है। उसने अब आनन-फानन में राज्य की विभिन्न मंडियों में फसल खरीद केंद्र स्थापित करने की घोषणा कर दी है। इसके जरिए यह संदेश किसानों को देने की कोशिश हो रही है कि वे अपनी फसल लाकर मंडी में बेच सकते हैं। सरकारी घोषणा के मुताबिक धान के 400 खरीद केंद्र, बाजरा के लिए 120 और मूंग के लिए 30 खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं। हालांकि बाजरे के सबसे बड़े खरीद सेंटर रेवाड़ी से सूचना है कि वहां अभी कोई बाजरा खरीद केंद्र नहीं बना है।

जेजेपी पर दबाव बढ़ा...

पेज एक का शेष

आदेश दिया था। जेजेपी नेता ने इस बात से सहमति जताई कि मामले की जांच होनी चाहिए।

हालांकि दिग्विजय तीनों अध्यादेशों के खिलाफ बोलने से कतराये। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी फसल का पूरा दाम मिलेगा और मंडी व्यवस्था भी जारी रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा किसानों को गुमराह कर रहे हैं।

जेजेपी में मतभेद बढ़े

किसानों के मुद्दे पर जेजेपी के अंदर ही नहीं परिवार में भी मतभेद की खबरें हैं। सूत्रों का कहना है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला, नैना चौटाला और दिग्विजय सिंह चाहते थे कि दुष्यंत चौटाला खुद आगे आकर इस मामले में स्थिति साफ करें। पार्टी नेताओं का मानना है कि जेजेपी का पूरा आधार ही हरियाणा के किसान और युवक हैं। अगर जेजेपी पीपली लाठी चार्ज और तीनों अध्यादेशों का विरोध नहीं करती है तो इससे स्थिति उसके खिलाफ जा सकती हैं। लेकिन पहली बार सत्ता का स्वाद चख रहे दुष्यंत नहीं चाहते कि इन वजहों से गठबंधन टूट जाए। लेकिन गुरुवार शाम को जब अकाली दल ने इसकी पहल कर दी तो जेजेपी ने हरियाणा में भी इस मुद्दे पर दबाव महसूस किया। जेजेपी के अधिकांश विधायकों और वरिष्ठ नेताओं ने दुष्यंत को सलाह दी है कि पार्टी को तीनों अध्यादेशों पर स्टैंड तो लेना ही पड़ेगा। बेहतर है कि पार्टी तीनों अध्यादेशों को वापस लेने की मांग भाजपा और केंद्र सरकार से करे। अगर ऐसा नहीं हुआ तो हरियाणा के किसानों में गलत संदेश जाएगा। दुष्यंत ने इस मुद्दे पर राज्य की नौकरशाही का मिजाज भांपने के लिए शाम को ही चंडीगढ़ में बैठक बुलाई और उनसे मंडियों में किसानों के फसल की खरीद-फरोख्त को लेकर हो रहे इंतजाम की जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक दुष्यंत ने आला अफसरों से कहा है कि 25 सितंबर को जब किसान अपनी फसल बेचने मंडी पहुंचे तो उस समय कहीं से भी किसी गलत बरताव की सूचना उन्हें नहीं मिलना चाहिए।

खास बात ये है कि अकाली दल के घटनाक्रम ने हरियाणा भाजपा को इस कदर भयभीत कर दिया है कि दुष्यंत के अलावा मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर भी मंडी खरीद केंद्रों के संबंध में अफसरों से तमाम जानकारियां मांग रहे हैं। भाजपा पर किसान विरोधी होने की मुहर लग चुकी है, जिसे अब धुलने की कोशिश की जा रही है।

मजदूर मोर्चा की खबर का जवाब

आईजी संजय कुमार ने प्रॉपर्टी डीलिंग से इन्कार नहीं किया

आईपीएस संजय कुमार

फ़रीदाबाद (म.मो.) 'चोर मचाये शोर' वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए संजय कुमार ने अपने किसी प्यादे से अंग्रेजी भाषा में एक वाट्सऐप मैसेज वायरल कराया है। इसमें बताया गया है कि 'मज़दूर मोर्चा' में उनको लेकर प्रकाशित खबर बिल्कुल झूठी व मनगढंत है। सम्पादक सतीश कुमार ने यह खबर इसलिये प्रकाशित की है क्योंकि उन्होंने बतौर सीपी फ़रीदाबाद अपनी तैनाती के दौरान उनके विरुद्ध एक आपराधिक मुकदमा दर्ज किया था। इतना बताने के साथ-साथ संजय यह भी तो बता देते कि उक्त झूठा मुकदमा दर्ज कराने का परिणाम क्या हुआ ? खैर, वे तो क्या बतायेंगे, 'मज़दूर मोर्चा' ही बता देता है।

तत्कालीन डीसीपी एनआईटी विक्रम कपूर ने 14 अगस्त 2019 को आत्महत्या कर ली थी जिसमें सतीश कुमार को भी बिना बात लपेटने के लिये एफ़आईआर में उनका नाम फंसा दिया। लेकिन संजय उन्हें एक दिन के लिये भी गिरफ़्तार नहीं कर पाया, एक सप्ताह भीतर उनको यहां से बदल दिया गया और उनके द्वारा गठित एसआईटी (विशेष तफ़तीशी टीम) के ऊपर सरकार ने हिसार के आईजी रेंज अमिताभ ढिल्लों के नेतृत्व में एक नई एसआईटी गठित कर दी जिसमें तत्कालीन एसपी पलवल नरेंदर ब्रजार्निया आईपीएस , पानीपत के डीएसपी राजेश फ़ोगाट, गुड़गांव से दो इन्स्पेक्टर नरेन्द्र चौहान व आनंद कुमार को लगाया। पोलीग्राफ़ टैस्ट के बावजूद सतीश कुमार के विरुद्ध कुछ भी नहीं मिला। वैसे सतीश कुमार के विरुद्ध दर्ज होने वाला न तो यह पहला झूठा मुकदमा था न ही आखिरी। इस से पहले भी सात झूठे मुकदमों से वे बेबाक होकर निकल चुके हैं।

रही बात संजय की, तो जो कुछ भी उनके बारे में गतांक में प्रकाशित किया गया है, वह सब कुछ स्वतः सिद्ध है। पुलिस लाइन के गैस्ट हाउस पर कब्ज़ा, हिसार पुलिस के ड्राइवरों सहित दो वाहन, सात पुलिसकर्मियों व दो लांगरियों की तैनाती सबको दिख रही है। वाहनों के नम्बर व चित्र तथा पुलिसकर्मियों के नाम तक प्रकाशित किये गये हैं। सेक्टर 21 डी वाली कोठी का ब्योरा भी रिकॉर्डिड तथ्य है।

रही बात संजय पुंज की तो वे उस ग्रीन एस्टेट सोसायटी के 1800 सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से निर्वाचित प्रेजिडेंट हैं जिनके जिम्मे 135 एकड़ ज़मीन की देख-रेख है। इनकी सोसायटी की 1600 वर्ग गज़ ज़मीन पर आई जी संजय ने अपनी पुलिसिया पावर के दम पर कब्ज़ा करके अपने एक प्यादे धनंजय को वहां बैठा दिया। पुलिस में शिकायत करने पर उल्टे संजय पुंज व उनके चौकीदार व गार्ड को ही गिरफ़्तार करा दिया। ये कारनामे थे संजय के, यहां बतौर सीपी तैनाती के दौरान।

सत्ता के गलियारों में संजय की पैंठ का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि ये चौटालों के राज में यहां सहायक एसपी, अतिरिक्त एसपी हुड्डा राज में एसपी पलवल, डीसीपी एनआईटी, डीआईजी बनने के बाद दो बार यहां ज्वायंट सीपी तथा आईजी बनने के बाद यहां सीपी रह चुके हैं। हरियाणा के किसी भी आईपीएस ने इतनी तैनाती इस क्षेत्र में नहीं काटी। यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इन्हीं तैनातियों के दौरान ही संजय ने वर्दी पहन कर प्रॉपर्टी डीलरी का धंधा करना खूब अच्छी तरह सीख लिया।

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड
2. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
3. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।
4. जितेन्द्र, बाटा सैंटर - 9971064207